Regarding protection and conservation of cows for natural farming and quality food grains

श्री दर्शन सिंह चौधरी **(**होशंगाबाद**) :** सभापति महोदय जी, मैं इस माननीय सदन को अत्यंत श्रद्धा और कर्तव्य भाव से अवगत कराने का विनम्र प्रयास कर रहा हूं कि भारतीय संस्कृति में देशी गौ माता को जो स्थान प्राप्त है, वह अद्वितीय और अनमोल है । प्राचीन समय से ही गाय को भारतीय समाज में माता के रूप में पूजा जाता है । इसका धार्मिक, सांस्कृतिक, आर्थिक, वैज्ञानिक और औषधीय महत्व आज भी उतना ही प्रासंगिक है, जितना हजारों वर्ष पहले था ।

आज के समय में जब हम वैश्विक स्तर पर अपनी संस्कृति, परंपरा और विरासत को सहेजने की बात करते हैं, तो यह अत्यावश्यक है कि हम गौ माता को राष्ट्र माता का दर्जा देकर, उनको उचित स्थान पर प्रतिष्ठित करें । गाय न केवल हमारे जीवन में आध्यात्मिक और सांस्कृतिक भूमिका निभाती है, बल्कि वह कृषि, दूध उत्पादन और औषधीय लाभों के माध्यम से आर्थिक विकास में भी अपना महत्वपूर्ण योगदान देती है ।

महोदय, मेरा इस माननीय सदन से निवेदन है कि गौ माता को राष्ट्र माता का दर्जा देकर, गौ माता के संरक्षण और संवर्धन के लिए एक सशक्त कार्य करते हुए आने वाली पीढ़ियों को यह संदेश दें कि संस्कृति और पर्यावरण की रक्षा के हम कितने प्रतिबद्ध हैं । गौ माता, जो सड़कों पर मारी-मारी फिर रही हैं, गौशालाओं और अभ्यारण्यों को आर्थिक सहयोग देते हुए, सभी राज्यों को निर्देशित करें। मोदी जी का संकल्प है कि प्राकृतिक खेती और श्री अन्न का संरक्षण हो, उसके लिए गौ माता का संरक्षण और संवर्धन अत्यावश्यक है ।